Date: 08-07-2025
Dainik Bhaskar, Page-02, Surat.

सूरत भास्कर

दैनिक भास्कर

सूरत, मंगलवार, 8 जुलाई, 2025 | 2

dainikbhaskar.com

मल्टी मॉडल पब्लिक ट्रांसपोर्ट इंटीग्रेशन • मेट्रो, बुलेट, बस-रेल, पब्लिक ट्रांसपोर्ट के सभी साधन आपस में इंटीग्रेटेड होंगे

बुलेट स्टेशन तक चलेगी मेट्रो: सारोली से अंत्रोली तक 4.4 किमी लंबा मेट्रो कॉरिडोर बनेगा, राज्य सरकार ने दी मंजूरी

केंद्र सरकार को भेजी लाइन-2 विस्तार की डीपीआर, स्वीकृति मिलने के बाद होगा टेंडर

भास्कर BREAKING

लवकुश मिश्रा | सूरत

शहर में पब्लिक ट्रासंपोर्ट के चारों साधन मेट्रो, बुलेट, बस और ट्रेन आपस में इंटीग्रेटेड होंगे। सफर के दौरान यात्री इन चारों मोड के जरिए यात्रा कर सकेंगे। राज्य सरकार ने बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट से जोड़ने को मंजूरी दे दी है। अब मेट्रो कॉरिडोर का विस्तार करके इसे अंत्रोली स्थित बुलेट स्टेशन तक बढ़ाया जाएगा। ताकि मेट्रो के यात्री बुलेट पकड़ सकें और बुलेट के यात्री मेट्रो के जरिए शहर में सफर कर सकें।

सूरत मेट्रो परियोजना को बुलेट ट्रेन स्टेशन से जोड़ने की दिशा में एक अहम कदम बढ़ाते हुए मेट्रो लाइन-2 का एक्सटेंशन सारोली से अंत्रोली तक किया जाएगा, जिसकी लंबाई 4.4 किलोमीटर होगी। जिसकी लागत करीब 450 करोड़ रुपए आने का अनुमान है। इस एक्सटेंशन के डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR) को गुजरात सरकार ने मंजूरी दे दी है। अब इसे स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार के पास भेजा गया है, जहां इसके डिजाइन, लागत और टेक्निकल स्टडी के आधार पर अंतिम फैसला होगा। यह विस्तार विशेष रूप से इसलिए अहम है क्योंकि अंत्रोली में हाई स्पीड बुलेट ट्रेन स्टेशन का निर्माण हो रहा है और मेट्रो एक्सटेंशन से इस स्टेशन को शहर से सीधा जोड़ा जाएगा। इस एक्सटेंशन से बुलेट ट्रेन से उतरने वाले यात्री सीधे मेट्रो में सवार होकर शहर के विभिन्न हिस्सों तक पहुंच सकेंगे। यह शहर के लिए मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी का बड़ा उदाहरण होगा। अंत्रोली रूट में रेलवे की डीएफसी लाइन भी मौजूद है, जिसे क्रॉस करते हुए एलिवेटेड मेट्रो को आगे बढ़ाया जाएगा। एक्सटेंशन रूट में कुल तीन नए मेट्रो स्टेशन प्रस्तावित हैं, लेकिन इनके नाम और स्थान केंद्र सरकार की अंतिम मंजूरी के बाद तय होंगे।

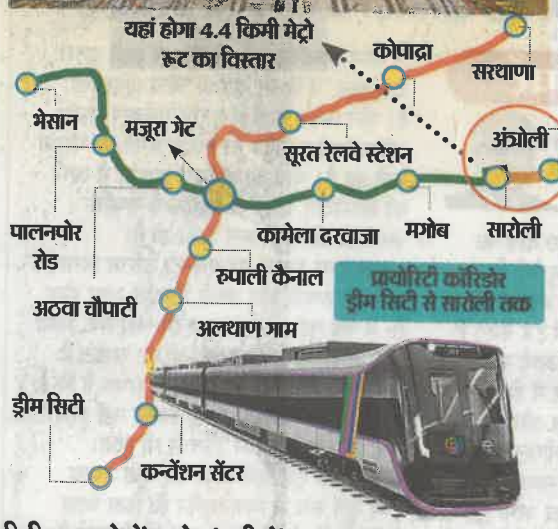

डीपीआर को केंद्र से मंजूरी में एक साल लग सकता है

मेट्रो अधिकारियों के मुताबिक राज्य सरकार से मंजूरी के बाद अब डीपीआर को केंद्र सरकार में मंजूरी मिलने में 6 महीने से लेकर 1 साल तक का समय लग सकता है। इसमें कई स्तर की जांच होती है जैसेः वित्त मंत्रालय द्वारा लागत और फंडिंग मॉडल की जांच, शहरी विकास मंत्रालय द्वारा तकनीकी मूल्यांकन, नीति आयोग और रेल मंत्रालय से परामर्श और पर्यावरण और सुरक्षा आकलन आदि।

▪ नवकार धाम जैन मंदिर स्टेशन ▪ अंबाबा कॉमर्स कॉलेज स्टेशन ▪ अंत्रोली हाई स्पीड रेल स्टेशन

डेढ-डेढ किमी की दूरी में बनाए जाएंगे 3 मेट्रो स्टेशन

सारोली से अंत्रोली के बीच 4.4 किमी की दूरी में 3 नए स्टेशन बनाने की योजना है। प्रत्येक स्टेशन के बीच औसतन 1.4–1.5 किमी की दूरी होगी। स्टेशन के नाम केंद्र से स्वीकृति मिलने के बाद फाइनल किए जाएंगे। फिलहाल 3 स्टेशन प्रस्तावित किए गए हैं।

फेज वन का 70 फीसदी सिविल वर्क पूरा हुआ

सूरत मेट्रो प्रोजेक्ट फेज वन में लाइन-1 व लाइन-2 का काम चल रहा है। लाइन-1 में सरथाणा से ड्रीम सिटी (21.61 किमी) और लाइन-2 में भेसान से सारोली (18.74 किमी) रूट है। इसमें करीब 6.47 किमी हिस्सा अंडरग्राउंड है, शेष पूरा रूट एलिवेटेड है। प्रोजेक्ट के फेज-1 में अब तक 70% कार्य पूर्ण हो चुका है। लाइन-1 पर सोहम सर्कल से अल्थान टेनामेंट तक 750 मीटर लंबा मेट्रो ट्रैक भी बिछाया जा चुका है। इसके अलावा अंडरग्राउंड रूट में कपोदरा से सूरत स्टेशन तक टनल बनाने का काम पूरा हो गया है, जबकि सूरत स्टेशन से चौक बाजार तक अप लाइन टनल इस महीने के अंत तक पूरा हो जाएगा जबकि डाउन लाइन टनल इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा।

भास्कर एक्सप्लेनर

मेट्रो रूट को बुलेट से जोड़ना जरूरी, इससे दोनों को यात्रीभार मिलेगा

अंत्रोली में सूरत का बुलेट स्टेशन बन रहा है। जिसकी रेलवे स्टेशन से दूरी करीब 35 किलोमीटर है। ऐसे में यात्रियों को बुलेट पकड़ने में दिक्कत न हो, इसके लिए मेट्रो और बुलेट का इंटीग्रेशन जरूरी है। सूरत डायमंड और टेक्सटाइल का बड़ा हब है। प्रतिदिन कारोबारियों को मुंबई जाना पड़ता है। ऐसे में बुलेट ट्रेनें शुरू होने के बाद वे इसका सफर कर सके, इसके लिए जरूरी है कि वहां तक पब्लिक ट्रांसपोर्ट कनेक्टीविटी हो। साथ ही रेलवे स्टेशन से भी यात्री मेट्रो का सफर करके बुलेट पकड़ सकेंगे। इससे बुलेट ट्रेन और मेट्रो ट्रेन दोनों का यात्रीभार बढ़ेगा। इससे व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही सारोली और अंत्रोली दोनों सूरत के पूर्वी हिस्से में तेजी से विकसित हो रहे आवासीय व औद्योगिक क्षेत्र हैं। जहां प्रति वर्ग किलोमीटर जनसंख्या घनत्व लगभग 15,000–20,000 लोग/किमी है। मेट्रो का इस क्षेत्र में विस्तार होने से उन लोगों को सीधा फायदा मिलेगा, जो अभी ऑटो, बस या बाइक पर यात्रा करते हैं। टेक्सटाइल, डाई-केमिकल और अन्य कारखानों में काम करने वाले हजारों मजदूरों को दैनिक आवाजाही में बड़ी राहत मिलेगी। नए रिहायशी प्रोजेक्ट्स, जो इस रूट के पास तेजी से आ रहे हैं, वहां की मांग बढ़ेगी और मेट्रो से सीधे कनेक्टिविटी से लोग इस एरिया में शिफ्ट होंगे।

सूरत मेट्रो लाइन 2 में सारोली से अंत्रोली के बीच 4.4 किमी एक्टेंशन डीपीआर राज्य सरकार से अप्रूव हो चुकी है। इसे अब केंद्र में भेजा गया है, जहां फाइनल मंजूरी पर निर्णय किया जाना है। इसमें कुल 3 मेट्रो स्टेशन होंगे। यह रूट बुलेट रेल स्टेशन से इंटीग्रेट हो जाएगा।

*–**नरेंद्र लोहिया** - एग्जिक्यूटिव डायरेक्ट, सूरत मेट्रो रेल*